

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में साँप की 2 नई प्रजातियों की खोज
2.	खजूर की तीन विशिष्ट किस्में : ST-1, ST-2 और ST-3
3.	स्वदेश दर्शन योजना - 2.0 के तहत केशवराय मंदिर का विकास
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. चिकित्सा शिक्षा विभाग का डिजिटल संवाद मंच 'ई-स्वास्थ्य संवाद' 2. 'नई चेतना 4.0' जेंडर अभियान 3. 'कायाकल्प प्रोत्साहन योजना 2024-25' में AIIMS जोधपुर देशभर में दूसरे स्थान पर 4. नींव अभियान : शिव, बाड़मेर 5. 69वें SGFI बास्केटबॉल टूर्नामेंट में राजस्थान ने कांस्य पदक जीता 6. आउटलुक ट्रेवलर अवार्ड्स, 2025 में उदयपुर को 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' अवॉर्ड 7. 'प्रॉपर्टी सिबिल' स्टार्टअप 8. 'सरपंच शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम' 9. मिस्टर, मिसेज एण्ड मिस फलौदी-2025 10. 'वंडर गाइज: द लास्ट ट्रेजर ऑफ स्पार्किंगटन'
5.	दुलहस्ती चरण-II परियोजना
6.	नाइट्रेट संदूषण
7.	INS वाघशीर
8.	2025 में भारत का कृषि क्षेत्र
9.	भारत में स्टार्टअप
10.	फ्राम इंटेन्ट टू इम्पेक्ट रिपोर्ट
11.	शहीद उधम सिंह (1899-1940)
12.	87वीं सीनियर राष्ट्रीय बेडमिंटन चैम्पियनशिप, 2025
13.	वर्ल्ड रैपिड चेस, 2025
14.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. निक किर्गियोस 2. NTH और DRDO के मध्य समझौता ज्ञापन 3. 'ब्रैसवेल (क्रिकेट): संन्यास 4. ह्यू मॉरिस (क्रिकेट): निधन 5. पुष्पदेवी चोखोने कृचेना

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



राजस्थान में साँप की 2 नई प्रजातियों की खोज



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रतापगढ़ ज़िले के शुष्क पर्णपाती वनों में अत्यंत दुर्लभ साँप की दो प्रजातियों की खोज की गई।



--:2:--

Daily Current Affairs

Date : 29 December, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **नई प्रजातियाँ** : 'इंडियन स्मूथ स्नेक (वालोफिस ब्रैच्युरा)' और 'स्लेंडर कोरल स्नेक (कैलियोफिस मिलेनुरस)'.
इन 2 नई खोजों के साथ राज्य में साँपों की कुल ज्ञात प्रजातियों की संख्या 45 हो गई है।
- **प्रकाशन** : राज्य में खोजी गई इन प्रजातियों को 'जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा' में प्रकाशित किया गया है।
- **नोट** : इंडियन स्मूथ स्नेक (वालोफिस ब्रैच्युरा) केवल भारत में पाए जाते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान का पहला स्नेक पार्क:

- कोटा में ₹7.42 करोड़ की लागत से राजस्थान का पहला स्नेक पार्क निर्मित किया गया है।
- इस पार्क में 29 प्रजातियों के भारतीय व विदेशी साँप जैसे - इंडियन कोबरा, रसल्स वाइपर, इंडियन पॉयथन, बॉल पॉयथन और मिल्क स्नेक आदि को संरक्षित किया जाएगा, जिससे पर्यटक साँपों की विविध दुनिया को करीब से देख सकेंगे।

--3--

खजूर की तीन विशिष्ट किस्में : ST-1, ST-2 और ST-3

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, 'पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण' द्वारा राजस्थान में विकसित खजूर की तीन विशिष्ट किस्मों ST-1, ST-2 और ST-3 को पेटेंट प्रदान किया गया।



--:4:--



मुख्य बिन्दु:

- खजूर की इन 3 किस्मों का विकास राजस्थान के पूर्व कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी द्वारा किया गया है।
- इन किस्मों का विकास टोंक जिले के आंवा में किया गया है।
- 16 सितंबर, 2021 को आवेदन दाखिल करने के बाद इन किस्मों की शुद्धता और विशेष लक्षणों की जाँच की गई। अब इन किस्मों के पंजीकरण के बाद 4 दिसंबर, 2025 से आगामी 18 वर्षों तक कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा।
- यह मान्यता 'पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001' के तहत प्रदान की गई है जिसके बाद खजूर की इन किस्मों का उत्पादन, विक्रय, विपणन, वितरण के साथ-साथ आयात और निर्यात का अनन्य अधिकार डॉ. प्रभुलाल सैनी के पास रहेगा।
- **नोट :** वर्ष 2025 में ही पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा 'आबू सौंफ-440' को कृषक किस्म के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह पहली बार है जब राजस्थान की किसी सौंफ की किस्म को केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्रदान की गई है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

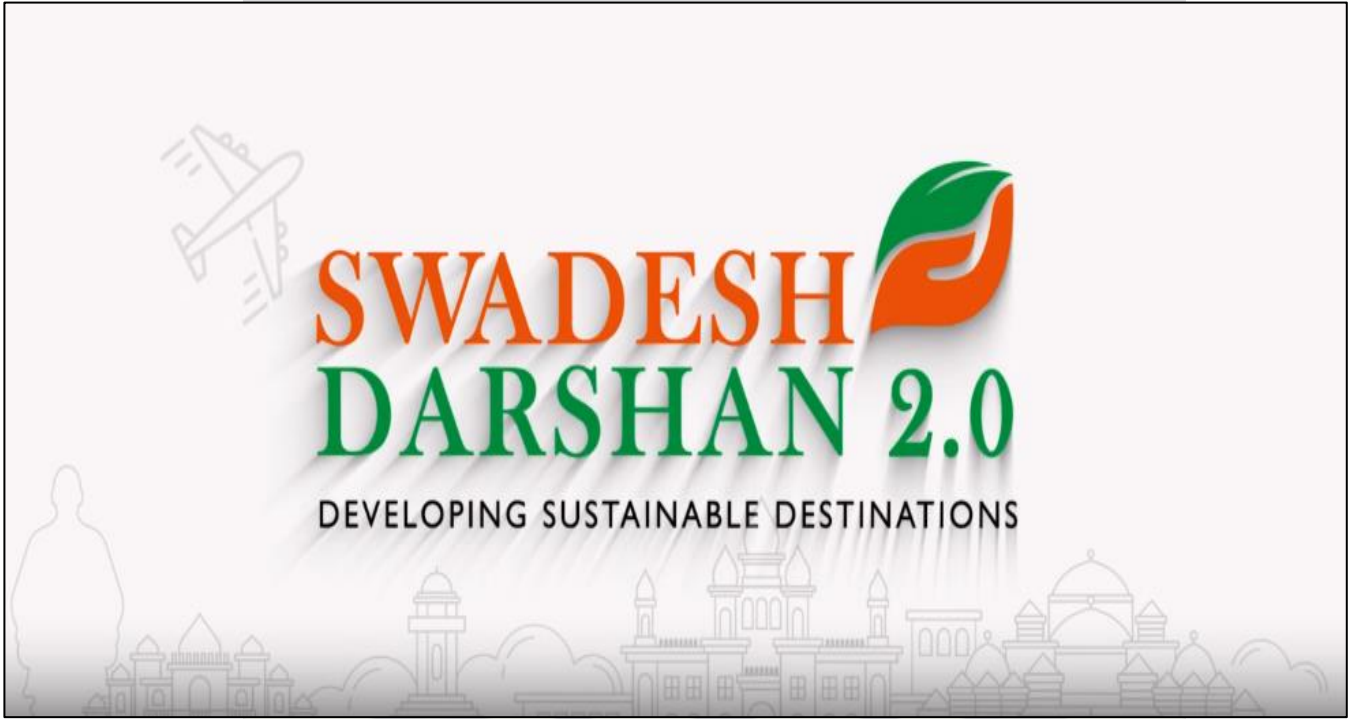
कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण :

- **पूरा नाम :** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण।
- **स्थापना :** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत वर्ष 2005 में अस्तित्व में आया।
- **संबंधित मंत्रालय :** केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।
- **मुख्य उद्देश्य :** किसानों और पादप प्रजनकों को फसल किस्मों के विकास के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार प्रदान करना और उनकी रक्षा करना, जिससे वे 15-18 वर्षों तक उत्पादन और विपणन के लिए विशेष अधिकार प्राप्त कर सकें।
- यह प्राधिकरण कृषक किस्मों का पंजीकरण करता है और पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण में लगे किसानों को पुरस्कृत करता है।

स्वदेश दर्शन योजना - 2.0 के तहत केशवराय मंदिर का विकास

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन योजना 2.0' के तहत बूँदी के केशोरायपाटन स्थित केशवराय मंदिर के विकास का कार्य प्रारंभ किया।



मुख्य बिन्दु:

- ज्ञातव्य है कि 'स्वदेश दर्शन योजना - 2.0' के तहत राजस्थान के कुल चार धार्मिक स्थलों का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

4 धार्मिक स्थल:-

- बूँदी** : केशोरायपाटन (केशवराय) मंदिर।
- सीकर** : खाटू श्यामजी मंदिर।
- बीकानेर** : करणी माता मंदिर।
- भीलवाड़ा** : लोकदेवता देवनारायण जी की जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी।

Daily Current Affairs

Date : 29 December, 2025



फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

स्वदेश दर्शन योजना:-

- **लॉन्च** : पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में।
- यह 100 प्रतिशत केन्द्र द्वारा वित्तपोषित योजना है।
- इस योजना के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों या केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- **स्वदेश दर्शन 2.0** : पर्यटन मंत्रालय ने नीतिगत और संस्थागत सुधारों द्वारा समर्थित पर्यटन और संबद्ध बुनियादी ढाँचे, पर्यटन सेवाओं, मानव पूँजी विकास, गंतव्य प्रबंधन और संवर्धन को कवर करते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में नया रूप दिया है।

--7--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.

न्यूज़

1.

चिकित्सा शिक्षा विभाग का डिजिटल संवाद मंच 'ई-स्वास्थ्य संवाद'



- राजस्थान चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुशासन, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक दक्षता को बेहतर करने के उद्देश्य से डिजिटल संवाद प्लेटफॉर्म 'ई-स्वास्थ्य संवाद' की शुरुआत की है।
- यह प्लेटफॉर्म चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी हितधारकों के लिए एक समर्पित, प्रभावी और संवादपरक ई-मीटिंग ईकोसिस्टम के रूप में कार्य करेगा।
- इसके माध्यम से जमीनी स्तर से लेकर उच्च स्तर तक विभागीय समन्वय मजबूत किया जाएगा।
- यह डिजिटल संवाद मंच प्रत्येक 'मंगलवार एवं गुरुवार' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

--8--

2.

'नई चेतना 4.0' जेंडर अभियान



- राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा राज्य में 25 नवंबर से 23 दिसंबर, 2025 तक 'नई चेतना 4.0' जेंडर अभियान का संचालन किया गया।
- **शुरुआत** : राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान का शुभारंभ 25 नवंबर, 2025 को किया गया।
- **संबंधित मंत्रालय** : 'नई चेतना 4.0' जेंडर अभियान का आयोजन केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- इस अभियान का संचालन 'दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)' के तहत शुरू किया गया था।
- अभियान का उद्देश्य समुदाय आधारित कार्रवाई के माध्यम से जेंडर आधारित हिंसा के प्रति जागरूकता फैलाना, महिलाओं की सुरक्षित गतिशीलता, आर्थिक योगदान की पहचान और घरेलू कार्यों में साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। साथ ही, महिलाओं को सशक्त बनाना भी इसका हिस्सा है।

3.

'कायाकल्प प्रोत्साहन योजना 2024-25' में AIIMS जोधपुर देशभर में दूसरे स्थान पर



- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा घोषित 'कायाकल्प प्रोत्साहन योजना 2024-25' के तहत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), जोधपुर ने ग्रुप-B श्रेणी में देश भर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- इस उपलब्धि पर AIIMS जोधपुर को एक करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।
- साथ ही, AIIMS को स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं रोगी-केन्द्रित सेवाओं में उत्कृष्टता हेतु कायाकल्प पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।

4.

नींव अभियान : शिव, बाड़मेर

- हाल ही में, शिव विधायक रवींद्र सिंह भाटी द्वारा सीमांत पश्चिमी राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए 'नींव अभियान' की शुरुआत की गई।

5.

69वें SGFI बास्केटबॉल टूर्नामेंट में राजस्थान ने कांस्य पदक जीता

- मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) के 69वें विद्यालय राष्ट्रीय खेल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में राजस्थान ने कांस्य पदक जीता।

6.

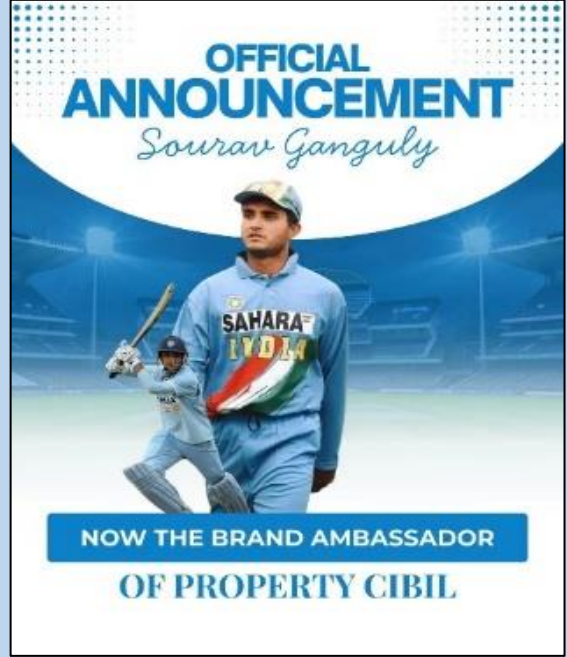
आउटलुक ट्रेवलर अवार्ड्स, 2025 में उदयपुर को 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' अवॉर्ड

- हाल ही में, उदयपुर शहर को आउटलुक ट्रेवलर अवार्ड्स, 2025 में 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उदयपुर अपनी शाही विरासत और झीलों के लिए जाना जाता है।

7.

'प्रॉपर्टी सिबिल' स्टार्टअप

- हाल ही में, जयपुर के स्टार्ट-अप प्रॉपर्टी सिबिल (Propil) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है।
- प्रॉपर्टी सिबिल स्टार्ट-अप भुवनेश गुप्ता द्वारा स्थापित है, जो देश में रियल एस्टेट में पारदर्शिता और कानूनी जटिलताओं की चुनौती को हल करता है और संपत्ति की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करके खरीदारों को संभावित घोटालों से बचाता है।



8.

'सरपंच शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम'

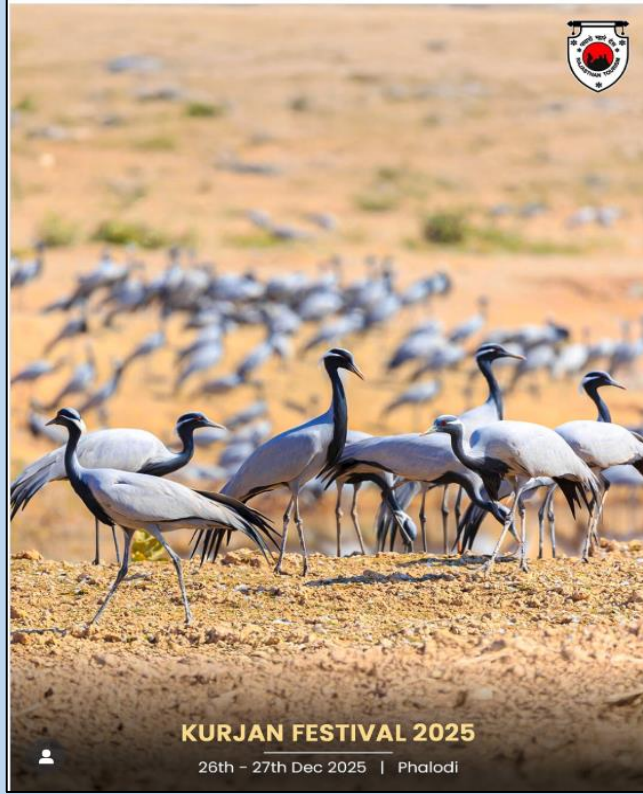
- हाल ही में, भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) द्वारा नई दिल्ली में चार दिवसीय 'सरपंच शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।
- इस कार्यक्रम में भारत की 17 राज्यों से चयनित 50 महिला सरपंचों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थान का प्रतिनिधित्व ग्राम पंचायत लाम्बी अहीर (झुंझुनू) की सरपंच नीरू यादव ने किया।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देशभर के सरपंचों को सशक्त बनाना और गाँवों में डिजिटल गवर्नेंस (शासन) और गुणवत्तापूर्ण प्रथाओं को बढ़ावा देना था।



--:11:--

9.

मिस्टर, मिसेज एण्ड मिस फलौदी-2025



- फलौदी में आयोजित 'कुरजां महोत्सव' के दूसरे संस्करण में 'अभिषेक शिवा छंगाणी ने मिस्टर फलौदी', 'वैशाली थानवी ने मिसेज फलौदी' और 'वैदेही भारद्वाज ने मिस फलौदी' का खिताब जीता।
- राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा फलौदी जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जिले की संस्कृति और कला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से 26 और 27 दिसंबर, 2025 को 'कुरजां महोत्सव' का आयोजन किया गया।
- कुरजां महोत्सव के प्रथम संस्करण का आयोजन 17 मार्च, 2025 को खींचन (रामसर स्थल में शामिल) में ही हुआ था।

10.

'वंडर गाइज: द लास्ट ट्रेजर ऑफ स्पार्किंगटन'

- हाल ही में, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने युवा लेखक रूपल आदित्य की पुस्तक 'वंडर गाइज : द लास्ट ट्रेजर ऑफ स्पार्किंगटन' का विमोचन किया।
- यह पुस्तक रोमांच, कल्पना और खोज की उस भावना का उत्सव है जो हर युवा मन में बसती है।



दुलहस्ती चरण-II परियोजना



चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में चेनाब नदी पर 260 mw की दुलहस्ती चरण-II परियोजना की मंजूरी प्रदान की।



मुख्य बिन्दु:

परियोजना के महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- यह परियोजना पाकल दुल परियोजना के माध्यम से मरुसुदर नदी से मोड गए अतिरिक्त जल का उपयोग करेगी।

चेनाब पर अन्य परियोजना:-

- दुलहस्ती-I (किश्तवाड़), बगलिहार (रामबन), सलाल (रियासी)।
- निर्माणधीन: रतले, कीरु, क्वार परियोजना।

चेनाब नदी:

- उद्गम:- हिमाचल प्रदेश में चन्द्र और भागा नदियों के संगम से।
- सहायक नदी/संगम:- झेलम व सतलज नदी।
- प्रवाह:- लघु हिमालय व शिवालिक श्रेणी के मध्य।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

नाइट्रेट संदूषण

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार वर्ष 2023 में दिल्ली में एकत्र किए भूजल नमूनों में 20 प्रतिशत से अधिक में नाइट्रेट का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक पाया गया।

मुख्य बिन्दु:

नाइट्रेट संदूषण

- जल में नाइट्रेट की स्वीकार्य सीमा:- 45mg/L
- स्रोत:** कृषि में नाइट्रोजन आधारित उर्वरक व पशु अपशिष्ट।
- प्रभाव:** शिशुओं में मेथेमोग्लोबिनेमिया (ब्लू बेबी सिंड्रोम) जिसमें हीमोग्लोबिन प्रभावी तरीके से ऑक्सीजन का वहन नहीं कर पाता है।
- जल निकायों में शैवाल प्रस्फुटन/सुपोषण में वृद्धि जिससे Dead Water Zone/ जलीय जैविक मरुस्थल का निर्माण होता है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

INS वाघशीर

📢 चर्चा में क्यों?

- भारत की राष्ट्रपति ने पश्चिमी तट (कर्नाटक) के कारवार नौसेना बंदरगाह से INS वाघशीर में यात्रा सम्पन्न की।

📌 मुख्य बिन्दु:

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति डॉ. APJ अब्दुल कलाम के बाद पनडुब्बी में यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्रपति है।
- कालवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति की यह पहली यात्रा है।
- इससे पूर्व राष्ट्रपति ने नवंबर, 2024 में स्वदेशी विमानवाहक पोत INS विक्रान्त पर भारतीय नौसेना द्वारा किए गए एक परिचालन प्रदर्शन में भाग लिया था।
- फरवरी, 2006 में विशाखापट्टनम तात्कालीन राष्ट्रपति APJ अब्दुल कलाम ने पनडुब्बी से सफर किया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

- **INS वाघशीर** : स्वदेशी कलवरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 75) की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, विश्व स्तर पर सबसे शांत डीजल - इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में एक है, जो सतह विरोधी और पनडुब्बी विरोधी युद्ध, निगरानी और विशेष अभियानों में सक्षम है।
- **औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल**: 15 जनवरी, 2025 (INS सूरत व INS नीलगिरी के साथ)।
- **नामकरण**: हिंद महासागर की शिकारी सैंड फिश के नाम पर।
- **आदर्श वाक्य**: 'वीरता वर्चस्व विजय'

Daily Current Affairs

Date : 29 December, 2025



- **निर्माण:** मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई।
- **विशेषताएँ:** उन्नत स्टील्थ विशेषताएँ, हाइड्रो डायनामिक आकार, कम ध्वनि उत्सर्जन और बेहतर साइलेंसिंग उपकरण, जलमग्न विस्थापन क्षमता 1775 टन, 67.5 मीटर लंबाई, आधुनिक टॉरपीडो और जहाज नाशकों से लैस है।

अतिरिक्त जानकारी:

प्रोजेक्ट-75:

- **उद्देश्य :** भारतीय नौसेना के लिए 18 पारंपरिक पनडुब्बियों और 6 परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों का निर्माण करना।
- **निर्माण:** मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई।
- **सहयोग:** मैसर्स नेवल ग्रुप, फ्रांस।
- **6 पनडुब्बियाँ :**

क्र. सं.	पनडुब्बी	नौसेना में शामिल
1.	INS कलवरी	दिसंबर, 2017
2.	INS खंडेरी	सितंबर, 2019
3.	INS करंज	मार्च, 2021
4.	INS वेला	नवंबर, 2021
5.	INS वागीर	जनवरी, 2023
6.	INS वाघशीर	जनवरी, 2025

--:16:--

आर्थिक परिदृश्य

2025 में भारत का कृषि क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर साबित हुआ, जो पिछले दशक में अपनाई गई नीतिगत निरंतरता, संस्थागत सुधारों और रणनीतिक निवेशों के संचयी प्रभाव को दर्शाता है।

मुख्य बिन्दु:

भारत का कृषि क्षेत्र: प्रमुख बिंदु (2025)

- कृषि और संबंधित गतिविधियाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 16% का योगदान देती है और 46% से अधिक आबादी की आजीविका का समर्थन करती है।
- केंद्रीय बजट 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें अनुसंधान, बुनियादी ढाँचे और किसान कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

रिकॉर्ड उत्पादन और खाद्य सुरक्षा

- भारत ने 2024-25 में 357.73 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का अपना अब तक का उच्चतम स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% की वृद्धि और 2015-16 की तुलना में 106 मिलियन टन अधिक है।
 - चावल: 150.184 मिलियन टन
 - गेहूँ: 117.945 मिलियन टन
 - दलहन और तिलहन: लक्षित अभियानों और खरीद आश्वासनों द्वारा समर्थित महत्वपूर्ण लाभ
 - बाजरा (श्री अन्ना): जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी अनाजों में लगातार वृद्धि

किसानों की आय को मजबूत बनाना

- **एमएसपी नीति:** यह आय आश्वासन का एक स्तंभ बनी रही, जो उत्पादन लागत पर कम से कम 50% रिटर्न की गारंटी देती है।
- **प्रत्यक्ष आय हस्तांतरण और ऋण विस्तार:** प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि के तहत तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना ने संस्थागत वित्त तक पहुँच को और भी व्यापक बनाया है।

जोखिम प्रबंधन और सिंचाई विस्तार

- **फसल बीमा और जोखिम कवरेज:** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) ने जोखिमों को कम किया है।
- **जल दक्षता और सिंचाई:** प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई)।

अवसंरचना और बाजार पारिस्थितिकी तंत्र

- **कृषि अवसंरचना में निवेश:** कृषि अवसंरचना कोष के माध्यम से 1 लाख से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें कस्टम हायरिंग सेंटर, गोदाम और कोल्ड स्टोरेज इकाइयाँ शामिल हैं।
- प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों ने गुणवत्तापूर्ण इनपुट और परामर्श सेवाओं तक गाँव-स्तर की पहुँच को मजबूत किया।
- **बाजार सुधार और किसान संस्थाएँ:** ई-एनएएम प्लेटफॉर्म से बाजार सुधार तथा FPO की स्थापना से सामूहिक विपणन, इनपुट खरीद और मूल्यवर्धन संभव हो सका।

संबद्ध क्षेत्रों में वृद्धि

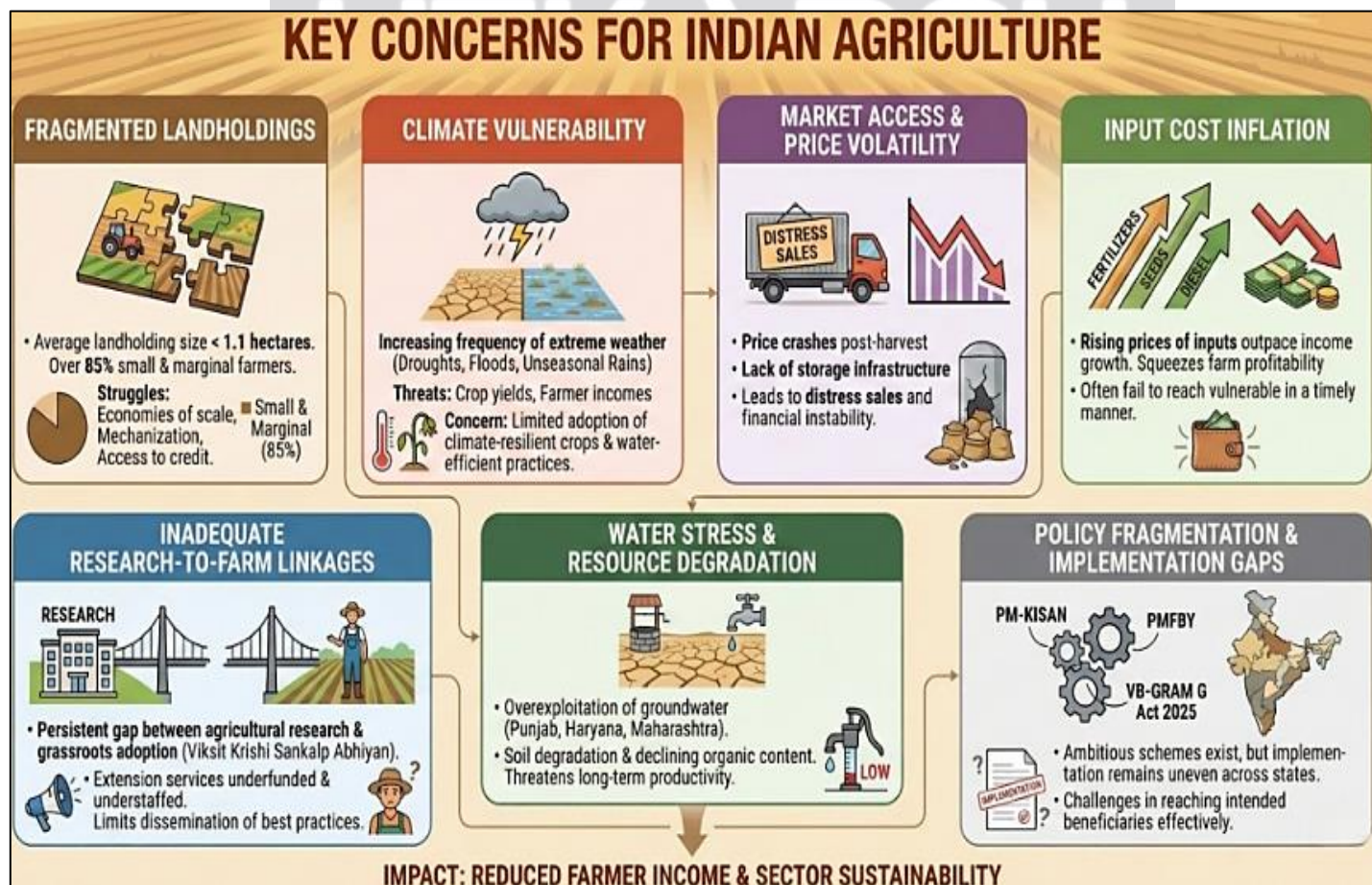
- **दुग्ध उत्पादन:** राष्ट्रीय गोकुल मिशन और दुग्ध उत्पादन विकास कार्यक्रमों की सहायता से 2023-24 में 239.30 मिलियन टन।
- **मत्स्य पालन:** अंतर्देशीय मत्स्य पालन में तीव्र वृद्धि के कारण 2024-25 में 195 लाख टन।
- **बागवानी:** फलों और सब्जियों के उत्पादन में रिकॉर्ड विस्तार।
- **खाद्य प्रसंस्करण:** जुलाई, 2025 तक निर्यात 49.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया।

स्थिरता और जलवायु लचीलापन

- जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना, इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम, पीएम-कुसुम योजना आदि पहलों को जारी रखा गया।

मानव पूँजी और कौशल विकास

- कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके)
- मजबूत ग्रामीण कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण।
- बागवानी, पशुपालन, मशीनीकरण और प्रसंस्करण में कौशल का एकीकरण कृषि-मूल्य श्रृंखला में रोजगार क्षमता और नवाचार को बढ़ावा।
- महिला किसान, परिवारिक संगठन (एफ.ओ.) और ग्रामीण उद्यमी स्थानीय कृषि अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन के महत्त्वपूर्ण कारक बन गए हैं।



संबंधित पहल

- **संशोधित ब्याज सब्सिडी योजना (एमआईएसएस):** यह योजना उन किसानों के लिए उपलब्ध है जो एक वर्ष के लिए 7% प्रति वर्ष की ब्याज दर पर 3.00 लाख रुपये तक का अल्पकालिक फसल ऋण लेते हैं।
- **कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ):** फसल कटाई के बाद के प्रबंधन के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश हेतु मध्यम से दीर्घकालीन ऋण वित्तपोषण सुविधा जुटाना।
- इस वित्तपोषण सुविधा के तहत दिए जाने वाले सभी ऋणों पर 2 करोड़ रुपये की सीमा तक प्रति वर्ष 3% की ब्याज सब्सिडी उपलब्ध है।
- **राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम):** आत्मनिर्भर भारत अभियान के भाग के रूप में शुरू किया गया, 'मीठी क्रांति' का लक्ष्य।
- **नमो ड्रोन दीदी:** चयनित 15000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराना (उर्वरक और कीटनाशक)
- **प्राकृतिक कृषि पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएनएफ):** 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 15,000 क्लस्टर विकसित करना और 10,000 आवश्यकता आधारित जैव-इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित करना।
- **प्रधान मंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) :** दालों, तिलहन और खोपरा के लिए मूल्य समर्थन प्रदान करना।
- **कृषि निधि फॉर स्टार्ट-अप्स एंड रूरल एंटरप्राइजेज (एग्रीशोर):** कृषि और ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए।
- **प्रति बूँद अधिक फसल (पीडीएमसी):** सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों, अर्थात् ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता को बढ़ाना।
- **परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई):** देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए।

Daily Current Affairs

Date : 29 December, 2025



- **मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता (एसएच एंड एफ):** मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) पहल के माध्यम से संतुलित और एकीकृत पोषक तत्त्व प्रबंधन को बढ़ावा देना।
- **वर्षा आधारित क्षेत्र विकास (आरएडी):** सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमएसए) के अंतर्गत एक घटक, एकीकृत कृषि प्रणाली पर केंद्रित है।
- **कृषि वानिकी पर उप-मिशन:** राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) के अंतर्गत हर मेढ़ पर पेड़ के आदर्श वाक्य के साथ।
- **फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) :** किसानों को धान जैसी अधिक जल खपत वाली फसलों से हटाकर दालों, तिलहन और मोटे अनाजों जैसे अधिक टिकाऊ और लाभदायक विकल्पों की ओर ले जाना।
- **कृषि विस्तार उप-मिशन (एसएमईई):** कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी जैसी नई संस्थागत व्यवस्थाओं के माध्यम से किसानों तक प्रौद्योगिकी का प्रसार करके विस्तार प्रणाली को किसान-संचालित और किसान-जवाबदेह बनाना।
- **खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमईओ)-ताड़ का तेल:** उत्तर-पूर्वी राज्यों और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए ताड़ के तेल की खेती को बढ़ावा देना।
- **डिजिटल कृषि मिशन:** कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना विकसित करके कृषि में मौजूदा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना में सुधार करना।
- **राष्ट्रीय बाँस मिशन:** राज्य बाँस मिशन/ राज्य बाँस विकास एजेंसी (एसबीडीए) के माध्यम से कार्यान्वित।

--:21:--

भारत में स्टार्टअप

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 के लिए फोर्स एशिया की '100 स्टार्टअप्स टु वॉच' लिस्ट में भारत के 18 स्टार्टअप्स हैं। वहीं देश में स्टार्टअप्स की संख्या 2 लाख पहुँच गई है।
- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अहमदाबाद (गुजरात) में विश्व उमिया फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 'युवा बिजनेस महासम्मेलन-2025' को संबोधित किया।

मुख्य बिन्दु:

- 48% स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर या पार्टनर है।
- वर्ष 2025 में हेल्थकेयर, लाइफ साइंसेज क्षेत्र में सर्वाधिक 53 स्टार्टअप्स आए हैं।
- IT में 50, डिफेंस में 8 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 5 स्टार्टअप्स को मान्यता प्रदान कि गई।
- फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स के तहत अब तक 25, 320 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश 1350 से अधिक स्टार्टअप्स में किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

- **स्टार्टअप:** उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) द्वारा परिभाषित स्टार्टअप से तात्पर्य एक ऐसी कंपनी से है:

1. **कंपनी की आयु :** निगमन की अवधि से कंपनी के अस्तित्व और संचालन की अवधि 10 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
2. **कंपनी का प्रकार :** प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, पंजीकृत साझेदारी फर्म के रूप में निगमित होनी चाहिए।
3. **टर्नओवर :** किसी भी वित्तीय वर्ष में उसका वार्षिक कारोबार 100 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

Daily Current Affairs

Date : 29 December, 2025



4. **मूल इकाई:** किसी इकाई का गठन किसी पहले से मौजूद व्यवसाय को विभाजित करके या उसका पुनर्गठन करके नहीं किया जाना चाहिए।

5. **नवोन्मेषी और विस्तार योग्य:** उत्पाद, प्रक्रिया या सेवा के विकास या सुधार की दिशा में कार्यरत हो।

- **यूनिकॉर्न :** शब्द दिया: एलीन ली।
- 'यूनिकॉर्न स्टार्टअप निजी स्वामित्व वाली कंपनियाँ हैं, जिसका मूल्य 1 बिलियन डॉलर से अधिक है, और जिनकी विशेषता तीव्र वृद्धि, विघटनकारी नवाचार, वेंचर के पिटलिस्ट और एंजेल निवेशकों से मजबूत निवेश है।
- **स्टार्टअप इकोसिस्टम:** इसमें इनक्यूबेटर, स्टार्टअप एक्सेलेरेटर, वेंचर केपिटलिस्ट, निजी निवेशक, फाउंडेशन, उद्यमी, विश्वविद्यालय, सरकार, निगम, मेंटर और मीडिया शामिल हैं।
- **स्टार्टअप इण्डिया योजना की उपलब्धियाँ :** 16 जनवरी, 2025 को 9वीं वर्षगाँठ मनाई गई (16 जनवरी, 2016)।
- 1. **स्टार्टअप में वृद्धि:** DPIIT मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या 500 (वर्ष 2016) से बढ़कर 2.6 लाख (वर्ष 2025) हो गई।
- 2. **स्टार्टअप इकोसिस्टम:** भारत, अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है, जिसमें 200 से अधिक यूनिकॉर्न हैं।
- 3. **रोजगार सृजन:** देशभर में स्टार्टअप ने कुछ वर्षों में अब तक 21 लाख रोजगार सृजन किया है। (18 लाख स्थायी रोजगार)

--:23:--

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

फ्राम इंटेन्ट टू इम्पेक्ट रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हेतु बेहतर कार्यप्रणालियों पर रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- पहल:** नीति आयोग व CII की संयुक्त पहल। यह कार्यस्थल पर लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रोडमैप प्रदान करता है।

उद्देश्य:

- भारत को वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए महिलाओं को कार्यबल में शामिल करना आवश्यक।
- SDG-5 के लैंगिक समानता के लक्ष्य प्राप्ति के लिए।
- SDG-8 के सम्मानजनक कार्य और आर्थिक संवृद्धि सुनिश्चित करना।

लैंगिक समानता: संरचनात्मक व सामाजिक अवरोध:

- भर्ती में पूर्वाग्रह, विशेषीकृत नौकरी में रूढ़ीवादी सोच जैसे STEN क्षेत्र में महिला कार्यबल भागीदारी केवल 27 प्रतिशत।
- लगभग 75 प्रतिशत महिलाओं को मातृत्व के कारण रोजगार हानि की संभावना होती है।
- व्यवस्थित नेतृत्व विकास के अवसरों की कमी।
- वैश्विक स्तर पर 76 प्रतिशत अवैतनिक देशभाल कार्य महिलाओं द्वारा सम्पन्न जिससे आर्थिक विकास में भागीदारी सीमित हो जाती है।

व्यक्तित्व

शहीद उधम सिंह (1899-1940)

चर्चा में क्यों?

- 26 दिसंबर को शहीद उधम सिंह की 126वीं जयंती मनाई गई।

मुख्य बिन्दु:

- जन्म :** अविभाजित भारत के पंजाब के संगरूर जिला।
- योगदान:** 1940 में माइकल ओ डायर की हत्या करके जलियावाला बाग जनसंहार का प्रतिशोध लिया। माइकल ओ डायर 1919 में पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था।
- उपनाम:** राम मोहम्मद सिंह आजाद
- संगठन:** वे गदर पार्टी और हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के सक्रिय सदस्य थे।



87वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विजयवाड़ा (आन्ध्रप्रदेश) में 87वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2025 आयोजित की गई।

मुख्य बिन्दु:

- महिला सिंगल:

विजेता	उपविजेता
सूर्या करिश्मा तामिरी	तन्वी पात्री

- महिला डबल्स:

विजेता	उपविजेता
शिखा गौतम व अश्विनी भट	प्रिया देवी कोंजेंगबम व श्रुति मिश्रा

- पुरुष सिंगल्स:

विजेता	उपविजेता
ऋत्विक् संजीवी एस	भरत राघव

- पुरुष डबल्स:

विजेता	उपविजेता
हरिहरन और रूबन कुमार	मिथलेश कृष्णन और प्रेजन

- मिक्स्ड डबल्स:

विजेता	उपविजेता
सात्विक रेड्डी और राधिका शर्मा	आशीष सूर्या और अमृता पी

वर्ल्ड रैपिड चेस, 2025

चर्चा में क्यों?

- भारत के युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने वर्ल्ड रैपिड चेस में कांस्य पदक हासिल किया।

मुख्य बिन्दु:

- यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी है।
- **नोट** - इस टूर्नामेंट में मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद है।

पुरुष वर्ग:

- **अर्जुन एरिगैसी** : 9.5 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।
- **मेगनसस कार्लसन** : प्रथम स्थान, छठी बार रैपिड चैम्पियनशिप का खिताब जीता, यह कार्लसन का 19वाँ वर्ल्ड टाइटल है।

महिला वर्ग:

- महिला वर्ग में रूस की एलेक्जान्द्रा गोर्याचकिना ने चीन की झू जिनर को हराकर खिताब अपने नाम किया।
- **कोनेरु हम्पी** : ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया है, यह चैम्पियनशिप में 5वाँ मेडल है। (2 स्वर्ण + 1 सिल्वर + 2 कांस्य पदक)।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>निक किर्गियोस</p> <ul style="list-style-type: none">ऑस्ट्रेलिया के पुरुष खिलाड़ी निक किर्गियोस ने वर्ल्ड नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेका को 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में हराया।
2.	<p>NTH और DRDO के मध्य समझौता ज्ञापन</p> <ul style="list-style-type: none">उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामलों के विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय परीक्षण गृह (NTH) ने रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की प्रयोगशाला रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE) के साथ अनुसंधान, परीक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।राष्ट्रीय परीक्षण गृह: वर्ष 1912 में स्थापित NTH, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार औद्योगिक और उपभोक्ता उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए परीक्षण, निरीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन सेवाएं प्रदान करता है।रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE): वर्ष 1929 में कानपुर में स्थापित DMSRDE, रक्षा अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर, कंपोजिट, इलास्टोर, सिरेमिक, तकनीकी वस्त्र, ईंधन, स्नेहक और अन्य विशेष सामग्रियों जैसे गैर-धात्विक सामग्रियों के अनुसंधान व विकास का कार्य करती है।
3.	<p>'ब्रेसवेल (क्रिकेट): संन्यास</p> <ul style="list-style-type: none">न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी ब्रेसवेल ने सभी प्रारूपों से संन्यास लिया।वर्ष 2011 में होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध न्यूजीलैंड की टेस्ट जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4.

ह्यू मॉरिस (क्रिकेट): निधन

- इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ह्यू मॉरिस ने वर्ष 1991 में 3 टेस्ट मैच जीते और दक्षिणी अफ्रीका, वेस्ट इंडीज और श्रीलंका के दौरो पर इंग्लैंड M- टीम की कप्तानी की।
- मॉरिस ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारिक के रूप में भी कार्य किया।

5.

चोखोने कृचेना

- मणिपुर की पुष्पदेवी के नाम से प्रसिद्ध चोखोने कृचेना का नाम 'मन की बात' कार्यक्रम में चर्चा में आया।
- वर्ष 2021 में चोखोने कृचेना ने पहाड़ी इलाकों में अपनी परिवार की पारंपरिक कृषि को छोड़कर, सजावटी फूलों की कृषि व विपणन में विशेषज्ञता रखने वाली पुष्पकृषि कंपनी 'डियान्ये प्राइवेट लिमिटेड' की शुरुआत की।

